अपनी वेबसाइट कैसे तैयार करें?

अगर आप अपनी बेवसाइट बनाना चाहते हैं तो आपको वेब डिवेलपमेंट के बारे में थोड़ी–बहुत जानकारी होनी चाहिए। अपनी वेबसाइट बनाने से जुड़ी तमाम बातों को विस्तार से समझाने के लिए हम आपके लिए लाए हैं एक खास सीरीज। इस सीरीज के दूसरे भाग में वेबसाइट से जुड़ी बुनियादी जानकारी देगे

अगर आप इंटरनेट पर अपनी वेबसाइट चाहते हैं तो सबसे पहले उसके लिए डोमेन नेम खरीदना होगा। डोमेन नेम? सुनने में यह शब्द तकनीकी किस्म का महसूस होता है, लेकिन सीधे–सादे लफ़्ज़ों में कहें तो यह आपकी वेबसाइट का वेब एड्रेस है। वही अड्रेस, जो आप इंटरनेट एक्सप्लोरर, क्रोम या फायरफॉक्स जैसे ब्राउजर की अड्रेस बार में डालते हैं। मिसाल के लिए google.com, rkcl.in या rscit.in ऐसे अड्रेस हर वेबसाइट की पहचान हैं। यूं समझ लीजिए कि जिस तरह लिफाफे पर डाक का पता होना जरूरी है, उसी तरह वेबसाइट के लिए डोमेन नेम होना जरूरी है।

डोमेन नेम की फीस

- डोमेन नेम के लिए सालाना फीस लगती है जो 100 रुपये से लेकर 500–600 सौ रुपये तक हो सकती है।
- अलग–अलग किस्म के डोमेन नेम के लिए अलग–अलग कीमत है।
- किस्म? जी हां, क्या आपने किस्म–किस्म के वेब अड्रेस नहीं देखे usa.net, yahoo.com, cseindia.org, rscit.in आदि।
- डोमेन नेम में बिंदु(.) के बाद आने वाले हिस्से को डोमेन एक्सटेंशन कहा जाता है।
- अलग–अलग डोमेन एक्सटेंशन के लिए अलग–अलग दरें ली जाती हैं, जो डिमांड और सप्लाई के नियम के आधार पर बदलती रहती हैं।
- कभी–कभी .in डोमेन नेम सिर्फ 85 रुपये में उपलब्ध हो जाता है तो कभी वही 500 रुपये तक पहुंच जाता है।
- बहरहाल, सबसे लोकप्रिय डोमेन एक्सटेंशन .com है, जो इन दिनों 500 रुपये के आसपास उपलब्ध है।

एक्सटेंशन की किस्म–किस्म के

- डोमेन एक्सटेंशन कई तरह के हैं। इनमें से कुछ खास कामों के लिए आरक्षित हैं
    - edu: स्कूल–कॉलेज और यूनिवर्सिटीज के लिए
    - gov: सरकारों के लिए
    - mil: सेना के लिए।
- सबसे ज्यादा मशहूर एक्सटेंशन .com है, जिसके नाम पर कई बार पूरे वेब जगत को ही 'डॉट कॉम' कह दिया जाता है।
- कुछ और प्रमुख डोमेन एक्सटेंशन हैं .net, .org और .info इन सबको टॉप लेवल डोमेन या 'टीएलडी' कहा जाता है।
- इनके अलावा हर देश के लिए भी डोमेन एक्सटेंशन रिजर्व किए गए हैं, जिन्हें कंट्री कोड टॉप लेवल डोमेन कहा जाता है। जैसे भारत के लिए .in, अमेरिका के लिए .us वगैरह।
- अपनी वेबसाइट के लिए mysite.com डोमेन नेम पसंद करेंगे या mysite.in इसका फैसला आपको ही करना है।
- डोमेन एक्सटेंशन बदलने से वेबसाइट की परफॉर्मेंस पर कोई असर नहीं पड़ेगा।
- आप अंग्रेजी के 63 अक्षरों की सीमा के भीतर रहते हुए जैसा चाहें डोमेन नेम रख सकते हैं, बशर्ते उसके इस्तेमाल पर कोई कानूनी रुकावट न हो।

क्या डोमेन नेम लेने पर मेरी वेबसाइट इंटरनेट पर आ जाएगी?

- नहीं, वह महज पहली सीढ़ी है। अभी तो आपको वेबसाइट बनवानी है और फिर उसे इंटरनेट पर रखने के लिए स्पेस भी खरीदना है।

कहां होगा रजिस्टर

- दुनिया में डोमेन नेमों की व्यवस्था का संचालन ICANN(इंटरनेट ऑर्गनाइजेशन ऑफ असाइन्ड नेम्स ऐंड नंबर्स) नामक संस्था करती है।
- उसने डोमेन नेम रजिस्ट्रेशन के लिए कई कंपनियों को ऑथराइज किया हुआ है, जिन्हें डोमेन रजिस्ट्रार कहा जाता है।

- आप इनके मार्फत या उनके रिसेलर्स के जरिए अपना डोमेन नेम रजिस्टर करवा सकते हैं।
- कुछ प्रमुख डोमेन नेम रजिस्ट्रार हैं
    - networksolutions.com
    - net4.in
    - bigrock.in
    - in.godaddy.com
    - registry.in
    - siliconhouse.net
    - enom.com
    - namecheap.com
    - domains.org
    - economicalhost.com

रजिस्ट्रेशन ऐसे करें

- डोमेन नेम रजिस्ट्रेशन बेहद आसान है।
- अपने पसंदीदा डोमेन नेम रजिस्ट्रार की वेबसाइट पर जाइए।
- वहां दिए गए टेक्स्ट बॉक्स में अपनी पसंद का डोमेन नेम लिखें और सर्च बटन दबाएं।
- अगर नाम उपलब्ध है तो आपसे पूछा जाएगा कि क्या आप इसे तुरंत रजिस्टर करवाना चाहते हैं?
- अगर हां तो जरूरी ब्योरा (अपना नाम, पता, ईमेल अड्रेस वगैरह) दें।
- इसके बाद क्रेडिट कार्ड से रजिस्ट्रेशन फीस का भुगतान कर दें।
- कुछ ही सेकंड में आपके ईमेल अड्रेस पर कन्फर्मेशन मेल आ जाएगी, जिसमें डोमेन नेम कामयाबी से रजिस्टर कर दिए जाने की सूचना होगी।
- आगे कभी नाम, पते आदि में कोई बदलाव करना चाहें तो वेबसाइट के कंट्रोल पैनल का यूजरनेम और पासवर्ड भी मिलेगा।

कितना खर्च

भारत में मशहूर कुछ चुनिंदा वेबसाइटों पर डोमेन रजिस्ट्रेशन की मौजूदा दरें हैं

	In.godaddy.com	Net4.in	Bigrock.in
.com	600 रुपये	609 रुपये	599 रुपये
.net	500 रुपये	500 रुपये	499 रुपये
.org	400 रुपये	299 रुपये	299 रुपये
.in	200 रुपये	199 रुपये	199 रुपये
.info	290 रुपये	615 रुपये	399 रुपये

मुफ्त के डोमेन नेम

- गूगल भारतीय कारोबारियों को एक साल के लिए .in डोमेन और फ्री वेब होस्टिंग सुविधा दे रहा है।
- इसके लिए indiagetonline.in पर जाएं।
- अगर आपके लिए अपनी वेबसाइट का डोमेन एक्सटेंशन कोई खास मायने नहीं रखता तो आप ऐसे डोमेन नेम भी ले सकते हैं, जिनके हमेशा फ्री रहने के आसार हैं। ऐसे तीन एक्सटेंशन हैं
    - .co.cc (रजिस्ट्रेशन यहां कराएं www.co.cc)
    - .co.nr (freedomain.co.nr)
    - .tk (freedomains.sriz.tk)
- यह फ्री डोमेन नेम कुछ इस तरह का होगा : mysite.co.cc/ mysite.co.nr

- कुछ वेब होस्टिंग वेबसाइट्स साल भर का वेब होस्टिंग पैकेज लेने पर मुफ्त डोमेन नेम देती हैं networksolutions.com

कैसे खोजें नाम

- डोमेन नेम रजिस्टर करने वाली लगभग सभी वेबसाइटों पर एक टूल उपलब्ध होता है, जिसका इस्तेमाल कर आप देख सकते हैं कि आपकी पसंद वाला डोमेन नेम रजिस्टर करवाने के लिए उपलब्ध है या किसी और ने उसे पहले ही ले लिया है।
- कुछ वेबसाइट्स ऐसी भी हैं, जो खास तौर पर इसी तरह की चेकिंग के लिए बनाई गई हैं।
    - checkdomain.com
    - domainsearch.com

अगर न मिले पसंदीदा नाम

- विकल्प 1
  दूसरे अच्छे एक्सटेंशन को चुन लें। अगर mysite.com नाम नहीं मिला तो mysite.in सही। चुनाव का क्रम इस तरह रखें .com, .in, .org, .net, .info, .co.in
- विकल्प 2
  स्पेलिंग में जरा सा बदलाव करें, कोई अतिरिक्त अक्षर जोड़ लें, मसलन : study.com या estudy.com
- विकल्प 3
  उस शख्स से संपर्क करें, जिसने आपका पसंदीदा नाम बुक करा रखा है। हो सकता है कि वह पैसे लेकर नाम आपको देने पर राजी हो जाए।
- विकल्प 4
  किसी वेबसाइट (मसलन : networksolutions.com) पर उपलब्ध डोमेन बैकऑर्डर सेवा का इस्तेमाल करें। ये वेबसाइटें आपका पसंदीदा डोमेन नेम एक्सपायर होते ही उसे आपकी तरफ से बुक करवा लेती हैं और इसके लिए एक तय फीस लेती हैं।

किसने लिया मेरा नाम

- अगर आपका पसंदीदा डोमेन नेम किसी और ने रजिस्टर करवा रखा है तो उस शख्स तक पहुंचना नामुमकिन नहीं।
- Whois नामक टूल के जरिए आप उसका नाम, पता, ईमेल अड्रेस, फोन नंबर, डोमेन रजिस्टर करवाने की तारीख, उसके एक्सपायर होने की तारीख आदि का पता लगा सकते हैं।
- कुछ वेबसाइट्स यही ब्योरा मुहैया कराती हैं, मसलन :
    - whois.net
    - whois.com/whois

कैसा हो आपका डोमेन नेम

- जितना छोटा उतना अच्छा।
- नाम जितना लंबा होगा, लोगों को उसे याद रखने उतनी ही दिक्कत होगी। ऐसे मे लोग कई बार चाहकर भी आपकी साइट तक आ नहीं सकेंगे।छोटा नाम याद तो रहता ही है, टाइपिंग में गड़बड़ी की आशंका भी कम रहती है।
- नाम जो अपील करे : आकर्षक, लुभावने, अपीलिंग नाम आसानी से याद रह जाते हैं। मसलन : paisa.com, jaldi.com, merinews.com आदि।
- आसान स्पेलिंग : आजकल स्पेलिंग उलट–पलटकर नाम रखने का चलन चल निकला है। मसलन : saavn.com, flickr.com या myntra.com।
- ब्रैंड से जुड़ा नाम : अपने, अपने संस्थान या ब्रैंड के नाम से जुड़ा नाम हमेशा अच्छा रहता है। कोका कोला कंपनी की वेबसाइट पर जाने के इच्छुक इंसान के मन में सबसे पहले cocacola.com वेब अड्रेस ही आएगा।
- काम से जुड़ा नाम : अगर ब्रैंड या नाम से जुड़ा डोमेन नेम उपलब्ध न हो तो अपने क्षेत्र से जुड़ा नाम लेने में भी बुराई नहीं है।
- अंकों का इस्तेमाल : डोमेन नेम में अंकों, हाइफन आदि के इस्तेमाल से बचें। ऐसे नाम याद रखना मुश्किल होता है, टाइपिंग मुश्किल होती है और वे देखने–पढ़ने में भी अटपटे लगते हैं।

BimbikaG for RS-CIT